भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि साँख्यिकी अनुसंधान संस्थान
लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली-110012

ऑनलाइन हिन्दी कार्यशाला

कृषि सांख्यिकी, सर्वेक्षण एवं सॉफ्टवेयर द्वारा कृषि अनुसंधान का सशक्तीकरण
02-08, सितम्बर 2026

पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. भारती
पाठ्यक्रम सह-समन्वयक : डॉ. राहुल बनर्जी
डॉ. रोहित कुंडु

संस्थान के विषय में

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.सां.अ.सं.) ने 1930 में तत्कालीन इंपीरियल कृषि अनुसंधान परिषद में एक सांख्यिकी अनुभाग के रूप में अपनी यात्रा शुरू की एवं सांख्यिकी विज्ञान (सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैव सूचना विज्ञान) के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए प्रासंगिकता के एक प्रमुख संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। संस्थान मुख्य रूप से मौजूदा ज्ञान में अंतराल को पाटने के लिए कृषि सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में अनुसंधान करने के लिए जिम्मेदार है। संस्थान, सांख्यिकी विज्ञान को, सूचना विज्ञान के साथ मिश्रित करके, कृषि विज्ञान में उनके विवेकपूर्ण सम्मिश्रण का उपयोग कर रहा है, ताकि कृषि के नए उभरते क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना कर गुणवत्तापूर्ण कृषि अनुसंधान को बढ़ाया जा सके, और साक्ष्य आधारित नीति निर्णय लिए जा सके। संस्थान पोस्ट ग्रेजुएट स्कूल, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैव सूचना विज्ञान में एम.एस.सी. और पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रम भी संचालित करता है। संस्थान राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली (एनएआरईएस) को सुदृढ़ बनाने के लिए सलाहकारी एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करता है तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए प्रायोजित अनुसंधान एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। राष्ट्रीय कृषि सांख्यिकी प्रणाली (एनएएसएस) को सुदृढ़ बनाने में पद्धतिगत सहायता भी प्रदान की जाती है। संस्थान एनएआरईएस के लिए मजबूत कृषि ज्ञान प्रबंधन प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुप्रयोगों के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में आँकड़ों का संग्रहण, प्रबंधन तथा विश्लेषण ज्ञान-आधारित निर्णय प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग बन चुका है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास के साथ आँकड़ों की मात्रा एवं विविधता में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिसके कारण उनके वैज्ञानिक विश्लेषण का महत्व पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गया है। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, उद्योग, सामाजिक विज्ञान तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में विश्वसनीय निष्कर्ष प्राप्त करने और नीतिगत निर्णयों को सुदृढ़ बनाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आँकड़ों के संग्रहण की विभिन्न विधियों में प्रतिदर्श सर्वेक्षण एक प्रभावी एवं व्यवहारिक तकनीक है। यह सीमित समय, लागत एवं उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए समष्टि के बारे में विश्वसनीय एवं उपयोगी अनुमान उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि अनुसंधान एवं नीति निर्माण से जुड़े अधिकांश अध्ययनों में प्रतिदर्श सर्वेक्षण का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

वर्तमान में आँकड़ों के विश्लेषण के लिए अनेक आधुनिक सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर उपलब्ध हैं, जिनकी सहायता से जटिल विश्लेषणात्मक विधियों को सरल, त्वरित एवं अधिक सटीक ढंग से लागू किया जा सकता है। ये सॉफ़्टवेयर न केवल विश्लेषण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाते हैं, बल्कि परिणामों की व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण को भी अधिक प्रभावी बनाते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को आँकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण के महत्व से अवगत कराना, विभिन्न सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर टूल्स के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कृषि एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान एवं निर्णय-निर्माण हेतु उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना है।

संपर्क करें:

डॉ. कै. नरसैया, निदेशक
ईमेल: director.iasri@icar.org.in
फ़ोन: 011-25841479
फ़ैक्स: 011-25841564

डॉ. तौकीर अहमद, प्रभागाध्यक्ष
ईमेल: tauqueerahmad@icar.org.in
फ़ोन: 011-25841475

डॉ. भारती, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक
ईमेल: bharti.iasri@icar.org.in

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 31 अगस्त, 2026

उद्देश्य

- कृषि आंकड़ों के संग्रहण, प्रबंधन एवं विश्लेषण हेतु प्रयुक्त प्रमुख सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों (R, SPSS एवं Python) की कार्यप्रणाली एवं उपयोग से प्रतिभागियों को परिचित कराना।
- सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों के माध्यम से कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के व्यावहारिक कौशल का विकास करना।
- सर्वेक्षण आंकड़ों की व्याख्या, प्रभावी दृश्य प्रस्तुतीकरण तथा अनुसंधान-निष्कर्षों के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता का विकास करना।

पाठ्यक्रम मॉड्यूल

- वर्णनात्मक सांख्यिकी, कृषि डेटा विश्लेषण एवं डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
- MS Excel, SPSS, Python एवं R सॉफ्टवेयर द्वारा सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण
- आउटलायर पहचान, सहसंबंध, प्रतिगमन एवं परिकल्पना परीक्षण
- कृषि सर्वेक्षणों हेतु प्रतिदर्श चयन एवं आकलन तकनीकें
- भारत की कृषि सांख्यिकी प्रणाली
- फसल कटाई प्रयोग (CCE) एवं उपज आकलन तकनीकें
- GIS, QGIS एवं सुदूर संवेदन का कृषि में उपयोग
- परीक्षण अभिकल्पना (DOE) एवं R द्वारा डेटा विश्लेषण
- बहुविविध विश्लेषण विधियों का अवलोकन तथा R/SPSS का उपयोग करते हुए प्रिंसिपल कॉम्पोनेन्ट विश्लेषण और डिस्क्रिमिनेंट विश्लेषण पर व्यावहारिक अभ्यास
- समय-श्रृंखला विश्लेषण एवं कृषि में अनुप्रयोग
- मशीन लर्निंग द्वारा कृषि डेटा विश्लेषण

पात्रता

संस्थान/ राज्य कृषि विश्वविद्यालय/ निदेशालय/ एनआरसी/ कृषि विज्ञान केन्द्र/ केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय/ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के अंतर्गत कृषि से सम्बंधित फैकल्टी, वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी इत्यादि शामिल हैं।

आवेदन प्रपत्र

- नाम (श्री/सुश्री/डॉ):
- पदनाम:
- जन्म तिथि:
- लिंग (पुरुष/महिला):
- शैक्षिक योग्यता:
- वर्तमान नियोक्ता (संगठन):
- पत्राचार का पता:
- ईमेल:
- सम्पर्क नंबर:

नामांकन:

सहभागिता हेतु आवेदन सक्षम प्राधिकारी की अनुमति प्राप्त कर ऊपर दिए गए फॉर्मेट में भरा जाए। आवेदन की प्रति ईमेल एवं लिंक द्वारा भेजी जा सकती है।

https://docs.google.com/forms/d/1rINP_YkSHoCok_4ZvAjhDWr_9osYuMx5fTNNwCk71bM/edit?ts=6a759a32